मुस्कानारिष्ट

☺ बच्चू सिंह शराब के घनघोर नशे में एक पैर फुटपाथ पर और एक पैर सड़क पर रखते चला जा रहा था, पीछे से थानेदार ने आकर मोटा डण्डा रसीद किया और पूछा – 'क्यों रे खटखोपड़ी' कितनी पी रखी है तूने.....?
बच्चूसिंह सँभलते हुए बोला : याद दिलाने का शुक्रिया माईबाप कि पी रखी है मैंने, वर्ना अपुन तो समझा कि लंगड़ा हो गया रे.....।

☺ फौज के अफसर ने अपने फौजियों को डाँटकर कहा – 'मुझे रिपोर्ट मिली है, कल रात तुम लोगों ने खूब शराब पी और सड़कों पर हाथठेला खींचते हुए खूब हंगामा मचाया। बताओ, क्या इसी तरह फौज की इज्जत को कायम रखते हैं?
फौजियों ने जवाब दिया – 'यह तो आप ही बेहतर जानते हैं श्रीमान्। क्योंकि ठेले पर तो आप ही सवार थे'।

☺ एक ज़मींदार के घर में काम करने वाले नौकरों में से एक माली का लड़का दस साल का था जो कि अपने पिता के काम में हाथ बँटाता था। जमींदार की नज़र में वो लड़का एकदम बेवकूफ और गधा था, वह कहता था कि ये लड़का भी अपने बाप की तरह जीवनभर खुरपी ही चलायेगा। अपनी बात को वह हर मेहमान के सामने साबित करके दिखाता था। वो उस लड़के के सामने एक अठन्नी और एक पाँच रुपये का नोट रखता था और बोलता था कि तू जो चाहे उठा ले।
लड़का अठन्नी उठा लेता था।
मेहमान उसकी मूर्खता पर खूब हँसते थे।
जमींदार यूँ ही अपने सैंकड़ों मेहमानों का मनोरंजन कर चुका था।
आखिरकार एक रोज़ एक मेहमान ने ज़मींदार की गैरहाज़िरी में लड़के से पूछ ही लिया – क्यों बे....? तू सच में ही इतना बेवकूफ और गधा है जितना ज़मींदार साहब बताते हैं?
लड़का बोला – नहीं मालिक....!
तो अठन्नी क्यों उठाता है गधे? पाँच का नोट क्यों नहीं उठाता जो दस अठन्नियों के बराबर होता है?
लड़के ने मुस्कुराकर जवाब दिया – क्योंकि जिस दिन मैंने पाँच का नोट उठा लिया, उसी दिन ये खेल–तमाशा बंद हो जायेगा।

☺ पति पत्नि से – डार्लिंग मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ।
पत्नि – नहीं, तुम मुझसे प्यार नहीं करते। अगर तुम मुझसे प्यार करते होते तो तुमने शादी किसी और से की होती।

☺ पति–पत्नि से – ईश्वर ने तुम्हें खूबसूरती और बेवकूफी एक साथ क्यों दे दी....?
पत्नी इठलाते हुये – खूबसूरती इसलिये कि तुम शादी का रिश्ता भेजो, और बेवकूफी इसलिये कि तुम्हारे रिश्ते को मंजूर कर लूँ।